

नयन तुम नीर वर्षाओ ॥३३३॥
 मेरी मर्कट द्वारे आई हैं
 मेरी मर्कट द्वारे आई हैं
 खुशी दिल में है बस इतनी ॥३३३॥
 कि बहिनें साथ आई हैं
 गी बहिनें साथ लाई हैं

नयन तुम नीर वर्षाओ ॥३३३॥

ये लाली पाँव की तेरी,
 कमल मर्कट फीका लगता है
 लगी है श्याम रंग मेंहदी,
 महावर नीका लगता है
 सिसकियाँ तेज हो जाओ,
 मेरी मर्कट द्वारे आई हैं
 मेरी मर्कट द्वारे आई हैं....

खुशी दिल -----

नयन तुम नीर ॥३३३॥

बिदाऊँ क्या, तुझे मैं मर्झूँ,
 तू मेरे पास जो आई
 जमीं पर खुद ही बैठा हूँ,
 गरीबी रास न आई
 घड़कनें कम तो हो जाओ,
 मेरी मर्झूँ द्वारे आई हैं
 मेरी मर्झूँ द्वारे आई हैं.

खुशी दिल में-----नयन तुम-----

लगाऊँ भीरा क्या तुझको
 मैं बैठा फांका मस्ती में
 गुजरते जा रहे हैं दिन,
 भजन की मौज मस्ती में
 "श्रीबाबाश्री" जी धुन में तुम गाओ.
 मेरी मर्झूँ द्वारे आई हैं...
 मेरी मर्झूँ द्वारे आई हैं.

खुशी दिल में-----

नयन तुम नीर-----